



राष्ट्रीय आवास बैंक

प्रेस विज्ञप्ति

**एनएचबी रेजीडेक्स – रिहायशी आवास मूल्य सूचकांक
अप्रैल-जून, 2018 तिमाही हेतु अद्यतन**

एनएचबी रेजीडेक्स, भारत का पहला आधिकारिक आवास मूल्य सूचकांक (एचपीआई), का जुलाई, 2007 को शुभारंभ किया गया था जो तिमाही आधार पर चयनित शहरों में रिहायशी संपत्तियों के मूल्यों में उतार-चढ़ाव का पता लगाता है। एनएचबी रेजीडेक्स को अद्यतित आधार वर्ष, संशोधित कार्यप्रणाली एवं स्वचालित प्रक्रियाओं के साथ सूचकांकों के कलस्टर सहित नया रूप प्रदान किया गया है। नए रूप में तैयार एनएचबी रेजीडेक्स अपने भौगोलिक कवरेज में वृहत है और दो आवास मूल्य सूचकांक अर्थात् 50 शहरों हेतु एचपीआई@ आकलन मूल्य तथा 50 शहरों के लिए निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई@ बाजार मूल्य, को शामिल करता है। यह कवरेज भारत में 21 राज्यों तक फैला है जिसमें 18 राज्य/केंद्र शासित राजधानियां¹ और 37 स्मार्ट शहर शामिल हैं। एनएचबी रेजीडेक्स ने प्रत्येक 50 शहरों के लिए संयुक्त एचपीआई @ आकलन मूल्य और निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु संयुक्त एचपीआई @ बाजार मूल्य भी शामिल किए हैं।

मार्च, 2018 तक, उपरोक्त एचपीआई द्वारा वित्तीय वर्ष 2012-13 को आधार वर्ष के तौर पर मानते हुए तिमाही आधार पर रिहायशी संपत्तियों के मूल्यों में उतार-चढ़ाव का पता लगाया गया। **वर्तमान तिमाही से आधार वर्ष को वित्त वर्ष 2017-18 में स्थानांतरित कर दिया गया है।** तीन उत्पाद श्रेणी स्तर नामतः ≤ 60 वर्ग मी., > 60 तथा ≤ 110 वर्ग मी. और > 110 वर्ग मी. के अंतर्गत इकाईयों हेतु शहर स्तर (भारतीय रूप/ वर्ग फीट) पर कारपेट क्षेत्र आकार के आधार पर आवास मूल्यों को वर्गीकृत किया गया है।

आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18 के साथ अप्रैल-जून, 2018 तिमाही के दौरान 50 शहरों पर आधारित संयुक्त एचपीआई @ आकलन मूल्य

- संयुक्त एचपीआई @ आकलन मूल्य जून, 2013 में 83 पर था और वर्तमान तिमाही यानी जून, 2018 में 101 पहुंच गया है। पिछले कुछ वर्षों में 3.8% के सीएजीआर के साथ सूचकांक बढ़ गया है।
- वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सूचकांक में 2.0% की बढ़ोतरी देखी गई।

आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18 के साथ अप्रैल-जून, 2018 तिमाही के दौरान एचपीआई @ आकलन मूल्य के अंतर्गत शहर-वार उतार-चढ़ाव

- एचपीआई ने वर्ष-दर-वर्ष आधार पर कुल मिलाकर 33 शहरों में बढ़ोतरी, 14 शहरों में गिरावट और 3 शहर में कोई बदलाव नहीं रिकॉर्ड किया गया है।

¹ 18 राज्यों/केंद्र शासित राजधानियों में से 15 शहर स्मार्ट शहर भी हैं।

- तिमाही के अंत में एचपीआई में वार्षिक वृद्धि रांची में 21.7% से भिवाड़ी में (-) 13.4% तक है।
- वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 8 टीयर-1 शहरों में से, 12.9% के साथ अहमदाबाद में सबसे अधिक बढ़ोतरी देखी गई जिसके बाद हैदराबाद 9.5%, पुणे 7.2 और मुंबई 5.2 %, बेंगलुरु और कोलकाता 2.0 % पर है। चेन्नै में कोई बदलाव नहीं देखा गया और दिल्ली में सूचकांक में (-) 4.8% की गिरावट देखी गई।
- कवर किए जा रहे 29 टीयर-2 शहरों में से, वर्ष दर वर्ष आधार पर सूचकांक में रांची (21.7%) के बाद नासिक (8.4%), सूरत (7.4%) और वड़ोदरा (7.4%) में उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखी गई, जबकि लुधियाना (-12.3%) और जयपुर (-9.1%) में जबरदस्त गिरावट देखी गई।
- वर्ष-दर-वर्ष आधार पर, 13 टीयर-3 शहरों में से सूचकांक में गांधीनगर (12.8%), चाकन (10.8%), और न्यू टाउन कोलकाता (10.5%) में सबसे अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई जबकि भिवाड़ी (-13.4%) में सबसे अधिक गिरावट दर्ज की गई।

आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18 के साथ अप्रैल-जून, 2018 तिमाही के दौरान 50 शहरों पर आधारित निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु संयुक्त एचपीआई @ बाजार मूल्य

- निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु संयुक्त एचपीआई @ बाजार मूल्य जून-13 में 84 पर था और वर्तमान तिमाही यानी जून, 2018 में तेजी से 101 तक की बढ़ोतरी हुई। पिछले कुछ वर्षों में 3.6% के सीएजीआर के साथ सूचकांक बढ़ गया है।
- वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सूचकांक में क्रमशः 3.1% की बढ़ोतरी देखी गई।

आधार वर्ष वित्त वर्ष 2017-18 के साथ अप्रैल-जून, 2018 तिमाही के दौरान के दौरान निर्माणाधीन संपत्तियों हेतु एचपीआई @ बाजार मूल्य के अंतर्गत शहर-वार उतार-चढ़ाव

- एचपीआई ने वर्ष-दर-वर्ष आधार पर कुल मिलाकर 39 शहरों में बढ़ोतरी, 8 शहरों में गिरावट और 3 शहर में कोई बदलाव नहीं रिकॉर्ड किया गया है।
- एचपीआई में वार्षिक वृद्धि तिमाही के अंत में कोलकाता में 16.9% से फरीदाबाद में (-) 8.3% तक है।
- वार्षिक आधार पर 8 टीयर-1 शहरों में से 16.9% के साथ कोलकाता में सबसे अधिक बढ़ोतरी देखी गई जिसके बाद हैदराबाद (6.3%), मुंबई (4.1%), दिल्ली (4.1%), चेन्नै (3.1%), पुणे (2.0%), अहमदाबाद (2.0%) और बेंगलुरु (1.0%) पर हैं।
- कवर किए जा रहे 29 टीयर-2 शहरों में से वर्ष-दर-वर्ष आधार पर सूचकांक में सबसे अधिक बढ़ोतरी इंदौर (9.7%) में देखी गई जिसके बाद देहरादून (8.3%) और लखनऊ (7.5%) आते हैं, जबकि सूचकांक में सबसे अधिक गिरावट फरीदाबाद (-8.3%), तिरुवनंतपुरम (-7.5%) और वड़ोदरा (-3.9%) में देखी गई है।
- 13 टीयर-3 शहरों में से वर्ष दर वर्ष आधार पर विधान नगर में 14.4% से हावड़ा में (-) 4.8% का अंतर था।
